अभिनव क़दम

16-17

1

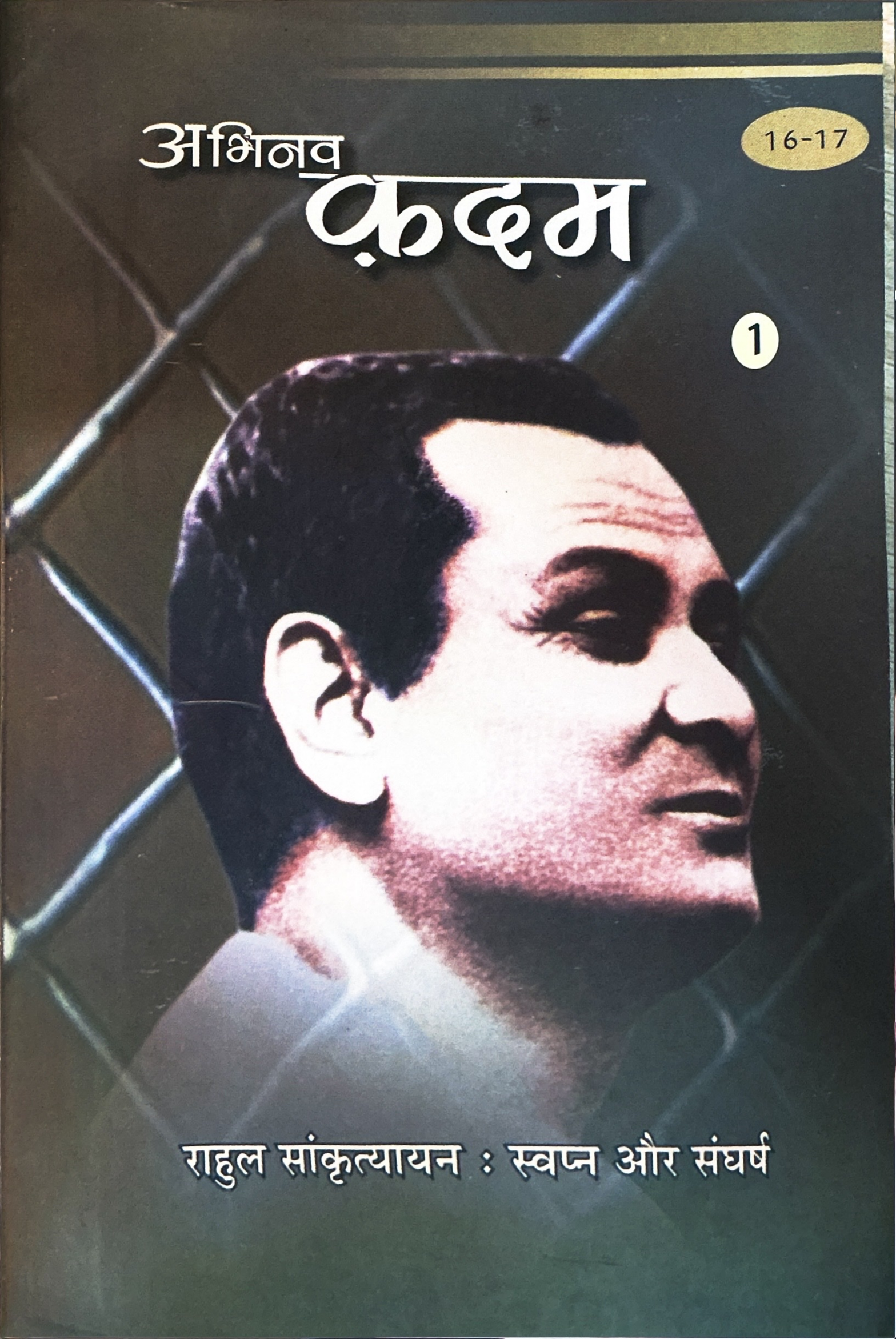

राहुल सांकृत्यायन : स्वप्न और संघर्ष

संस्थापक/संरक्षक : अब्दुल बिस्मिल्लाह, उत्तमचन्द

वर्ष : 11 अंक : 16-17 (संयुक्तांक) दिस. 2006 - नव. 2007

अभिनव क़दम

जन संस्कृति के पक्ष में आयोजन

प्रधान संपादक : चन्द्रदेव राय

संपादक : जयप्रकाश धूमकेतु

संपादन सहयोग : शिवकुमार पराग
संजय श्रीवास्तव

प्रसार व्यवस्था : श्रीमती राजेश्वरी

संपर्क :

'प्रकाश निकुंज'
223, पावर हाउस रोड, निजामुद्दीनपुरा
मऊनाथ भंजन, मऊ (उ.प्र.)–275101

फोन : 0547–2223113, मोबाइल : 09415246755, 09415241755
ई-मेल : patrika.abhinavkadam@gmail.com

सहयोग राशि

यह अंक : 100.00
संस्थाओं के लिए : 200.00
आजीवन सदस्यता : 2000.00

प्रकाशक : साहित्यिक-सांस्कृतिक संस्था, 'मंथन' मऊनाथ भंजन, मऊ (उ.प्र.)
मुद्रक : एकेडेमी प्रेस, दारागंज, इलाहाबाद (उ.प्र.)

संपादन/संचालन/अवैतनिक, अव्यवसायिक। अभिनव कदम से सम्बन्धित सभी विवाद मऊ न्यायालय के अधीन होंगे। अभिनव कदम में प्रकाशित रचनाओं की रीति-नीति या विचारों से संपादक की सहमति अनिवार्य नहीं है।

यह अंक
त्रिलोचन शास्त्री
की
पावन स्मृति में

फार्म :: 4

प्रेस तथा पुस्तक पंजीयन अधिनियम के अन्तर्गत 'अभिनव कदम' नामक पत्रिका से संबंधित स्वामित्व और अन्य बातों का विवरण—

1. प्रकाशन	:	223, प्रकाश निकुंज, पावर हाउस रोड, निज़ामुद्दीनपुरा, मऊ
2. प्रकाशन की आवर्तित	:	अर्द्धवार्षिक
3. मुद्रक का नाम	:	एकेडमी प्रेस
क्या भारतीय हैं?	:	हाँ
पता	:	602, दारागंज, इलाहाबाद
4. प्रकाशक का नाम	:	जयप्रकाश धूमकेतु
क्या भारतीय हैं?	:	हाँ
पता	:	223, प्रकाश निकुंज, पावर हाउस रोड, निज़ामुद्दीनपुरा, मऊ
5. संपादक का नाम	:	जयप्रकाश धूमकेतु
क्या भारतीय हैं?	:	हाँ
पता	:	223, प्रकाश निकुंज, पावर हाउस रोड, निज़ामुद्दीनपुरा, मऊ
6. उन व्यक्तियों के नाम व पते जो पत्रिका के मालिक और कुल पूंजी के एक-एक प्रतिशत से अधिक के हिस्सेदार या भागीदार हैं	:	साहित्यिक-सांस्कृतिक संस्था, 'मंथन' 223, प्रकाश निकुंज, पावर हाउस रोड, निज़ामुद्दीनपुरा, मऊ

मैं जय प्रकाश धूमकेतु एतद् द्वारा घोषणा करता हूँ कि मेरी जानकारी और विश्वास के अनुसार उपरोक्त विवरण सही है।

—जय प्रकाश धूमकेतु

कठिनाइयों से रीता समय मेरे लिए नहीं
नहीं
मेरे तूफानी मन को स्वीकार नहीं
मुझे तो चाहिए महान ऊँचा लक्ष्य
और उसके लिए ताउम्र
संघर्षों का सिलसिला

ओ कला ! तू खोल
मानवता की धरोहर
अपने अमूल्य कोषों के द्वार मेरे लिए खोल
अपनी प्रज्ञा और संवेगों के आलिंगन में
अखिल विश्व को बाँध लूँ मैं।

—मार्क्स

अनुक्रम

सम्पादकीय

कविताएँ

राहुल का खून पुकार रहा / मनोरंजन प्रसाद सिन्हा / 9
राहुल / विश्वनाथ त्रिपाठी / 10
राहुल को पढ़ते हुए / परमानन्द श्रीवास्तव / 11
चरथं भिक्खवे चारिकं / अरुण कमल / 12

दस्तावेज़

साहित्यकार का दायित्व / राहुल सांकृत्यायन / 19
बुद्ध का दर्शन / राहुल सांकृत्यायन / 27
डॉ.आम्बेडकर : बज्रादपि कठोराणि / राहुल सांकृत्यायन / 31
डॉ. आम्बेडकर : नवदीक्षित बौद्ध / राहुल सांकृत्यायन / 33
धर्म, दर्शन और सदाचार / राहुल सांकृत्यायन / 43
धर्म और ईश्वर / राहुल सांकृत्यायन / 49
तुम्हारे धर्म की क्षय हो / राहुल सांकृत्यायन / 53
दक्षिण की उपेक्षा क्यों / राहुल सांकृत्यायन / 59
कांग्रेस सरकार बताये किसान क्या करें / राहुल सांकृत्यायन / 65
अमवारी की स्त्रियों की लाल सेना / जनता - पटना / 67
अमवारी के किसानों की आर्थिक दशा / राहुल सांकृत्यायन / 69
सोवियत रूस की प्रथम झांकी / राहुल सांकृत्यायन / 70
चौंतीस साल बाद जन्म ग्राम में / राहुल सांकृत्यायन / 85
रूसी परिवार से मिलन / कमला सांकृत्यायन / 98
रोमनी / राहुल सांकृत्यायन / 106
सतमी के बच्चे (कहानी) / राहुल सांकृत्यायन / 109
सन् 57 (कहानी) / राहुल सांकृत्यायन / 112
राहुल सांकृत्यायन : बम्बई में दिया गया अभिभाषण (1947) / राहुल सांकृत्यायन / 122
अखिल भोजपुरी साहित्य के द्वितीय अधिवेशन में राहुल सांकृत्यायन का अभिभाषण / राहुल सांकृत्यायन / 151
जोंक (नाटक) / राहुल सांकृत्यायन / 159
मेहरारून के दुरदसा (नाटक) / राहुल सांकृत्यायन / 164

स्मरण

रूस में राहुल जी सम्बन्धी चर्चा व प्रदर्शनी / बारबरा गेर्के अनु. कमला सांकृत्यायन / 185
नवसंस्कृति पुरूष राहुल जी / रामेश्वर शुक्ल 'अंचल' / 192
डायरी के पन्ने और राहुल / शैलेन्द्र कुमार त्रिपाठी / 197
महापण्डित राहुल सांकृत्यायन / विद्यानिवास मिश्र / 202
राहुल सांकृत्यायन का घुमक्कड़ शास्त्र / कृष्ण कुमार यादव / 217

संस्कृत की खोई हुई कृतियों का तिब्बत से उद्धार / काशीप्रसाद जायसवाल / 220
राहुल सांकृत्यायन का बुद्धिवैभव / गुणाकर मुले / 229
मेरा जनपद मेरे लोग : राहुल सांकृत्यायन की दृष्टि में / रामशंकर द्विवेदी / 234

संस्मरण

राहुल सांकृत्यायन से तीन मुलाकातें / रमेश कुंतल मेघ / 249
राहुल सांकृत्यायन जैसा उन्हें जाना और समझा / शिवकुमार मिश्र / 250
राहुल सांकृत्यायन / नागार्जुन / 252
राहुल जी उनका साहित्य और व्यक्तित्व / नागार्जुन / 263
सामाजिक क्रान्ति के खोजकर्ता : राहुल सांकृत्यायन / रमेश सिन्हा / 272
राहुल सांकृत्यायन : एक शानदार शाहबतूल / हंसराज रहबर / 278
इतिहास के प्रति राहुल जी का दृष्टिकोण / विजेन्द्र स्नातक / 282
वह ईसा-गौतम की कोटि के हैं / काशीप्रसाद जायसवाल / 286
राहुल जी के घर में सात दिन / ईश्वरदत्त शर्मा / 289
मेरी यशोधरा माँ एलेना सांकृत्यायन / ईगोर राहुलोविच सांकृत्यायन अनु. जितेन्द्र रघुवंशी / 295
राहुल जी की मैं कैसी बेटी / जया पडहाक / 308
पापा पथ और पंथा / जेता सांकृत्यायन / 311
राहुल जितने महान उतने सरल / जगन्नाथ त्रिपाठी / 318
राहुल सांकृत्यायन की निराडम्बरी विराटता का साक्षात्कार / डॉ. कन्हैया सिंह / 324
राहुल जी जैसे लोग अब नहीं पैदा होंगे / ज्योतिस्वरूप सिंह / 330
मेरे राहुल बाबा / प्रभुसेवक सिंह / 332
वह विराट व्यक्तित्व / विष्णुप्रभाकर / 335
लाठी डण्डों से घिरे महापण्डित / शतानन्द उपाध्याय / 343
जिन्दगी अपनी दृष्टि जो राहुल ने दी / विद्यासागर नौटियाल / 346
राहुल दर्शन / काशीनाथ सिंह / 356
राहुल जी से एक प्रेरक भेंट / मोहनचन्द मण्टन / 358
महापण्डित राहुल के कुछ स्मरण / फूलचन्द त्रिपाठी / 360
महापण्डित राहुल सांकृत्यायन और आगरा / हरिशंकर शर्मा / 373
राहुल जी के साथ तिब्बत अभियान में / फेनी मुकर्जी / 375
राहुल सांकृत्यायन : यादें झलकियाँ / आनन्द / 503

साक्षात्कार

कमला सांकृत्यायन से बातचीत / डॉ. अरसु / 509

पत्र संदर्भ

राहुल जी के दो पत्र इन्द्रदीप बाबू के नाम / 512
राहुल जी के पत्र कमला सांकृत्यायन के नाम / 514

परिशिष्ट

राहुल जी के जीवन की प्रमुख तिथियाँ / कमला सांकृत्यायन / 525
राहुल वाङ्गमय (1893-1963) / कमला सांकृत्यायन / 529
राहुल साहित्य पर शोध प्रबन्ध / कमला सांकृत्यायन / 535
रचनाकारों के सम्पर्क सूत्र / 537

संपादकीय

रुके न जो, झुके न जो, दबे न जो, हम वो इन्कलाब हैं

राही मासूम रज़ा और कैफ़ी आज़मी पर अभिनव कदम का विशेषांक निकालने के बाद महापण्डित राहुल सांकृत्यायन पर दो खण्डों में प्रस्तुत यह विशेषांक इस कठिन समय में हम समानधर्मा जमात के लिए उतना ही जरूरी और उपयोगी साबित हो सकेगा, जितना कि राही और कैफ़ी अंक साबित हुआ, यह कह पाना हमारे लिए कठिन है। पूर्व के दो विशेषांकों की तुलना में दोगुनी मेहनत और कवायद के बावजूद ऐसा महसूस कर रहा हूँ कि राहुल पर काम करने के लिए अभी बहुत कुछ बाकी रह गया है। राहुल की रचनात्मकता और वैचारिकता का समानान्तर विस्तार अतुलनीय है। राहुल सांकृत्यायन पहले रचनाकार हैं जिन्होंने वैचारिक व व्यावहारिक स्तर पर ही नहीं बल्कि लेखन के स्तर पर साफ-साफ ढंग से मार्क्सवादी दृष्टि को क्रमबद्ध ढंग से रेखांकित करते हैं। आलोचकों ने राहुल और यशपाल को प्रेमचन्द की परम्परा की अगली कड़ी के रूप में रेखांकित किया है। रामविलास शर्मा और रांगेयराघव मार्क्सवादी विमर्श में बाद में अपनी कलम चलाते हैं। राहुल पर लिखते हुए मुक्तिबोध बार-बार याद आते हैं। मुक्तिबोध के शब्दों में- 'याद रखो/ कभी अकेले में मुक्ति नहीं मिलती/ यदि वह है तो सबके साथ ही।' या फिर 'समस्या एक/मेरे सभ्य नगरों और ग्रामों में/ सभी मानव/ सुखी सुन्दर व शोषण मुक्त/कब होंगे।' मुक्तिबोध की यह शब्द सत्ता जिधर संकेत करती है वही दिशा शमशेर की भी है- वाम् वाम बाम दिशा समय साम्यवादी। राहुल का समग्र जीवन व लेखन वाम दिशा की दृष्टि का महा आख्यान है।

मार्क्स कम्युनिस्ट मेनिफेस्टों में लिखते हैं- 'दार्शनिकों ने केवल दुनिया की व्याख्या की है, किन्तु जरूरत है इसे बदलने की।' राहुल जी ने इसी वैचारिकी को आत्मसात किया। अपनी पुस्तक 'मानव समाज' में राहुल लिखते हैं- 'मानव जाति का ज्ञान केवल विश्व को जानने के लिए नहीं बल्कि उसे बदलने के लिए है। मानव समाज को बदलने की छटपटाहट ही राहुल को- 'भागो नहीं दुनिया को बदलो' तक ले जाती है। राहुल वैश्विक स्तर पर क्रान्तिकारी चेतना की समझ का विस्तार चाहते थे।

सनातनी ब्राह्मण केदारनाथ पाण्डेय से साधु रामोदर दास, आर्य समाजी प्रचारक से बौद्ध भिक्षु-त्रिपिटकाचार्य-राहुल सांकृत्यायन, गांधी के स्वराज आन्दोलन से प्रभावित कांग्रेसी, किसान आन्दोलन के नेता और अन्ततः मार्क्सवादी, बिहार में कम्युनिस्ट पार्टी के संस्थापक बनते हैं राहुल। राहुल एक ऐसे विराट व्यक्तित्व का नाम है जो बार-बार अपने आप से टकराता हुआ अपने आपको अतिक्रमित करता है। दुनिया के स्तर पर राहुल के समानान्तर सिर्फ राहुल ही खड़े हो सकते हैं। महान यायावर और घुमक्कड़ शास्त्र के प्रणेता की घुमक्कड़ी